# रिपोर्ट

**बंधुआ मुक्ति मोर्चा का संक्षिप्त परिचय :** स्वामी अग्निवेश जी के नेतृत्व में सन् १९८१ में स्थापित बंधुआ मुक्ति मोर्चा विगत् ३६ वर्षों से समाज के सबसे अंतिम व्यक्तियों के सामाजिक न्याय व अधिकार के लिए संघर्ष कर रहा है। अभी तक देशभर में १७६,००० से अधिक बंधुआ एवं बाल मज़दूरों की मुक्ति व पुनर्वास की राह प्रदान करने वाला संगठन आज भी पूरे उत्साह व जोश के साथ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समाज को अपनी सेवाएँ दे रहा है।

## बंधुआ मुक्ति मोर्चा, उ०प्र० के अध्यक्ष ने बांदा और चित्रकूट पहूँचकर मुक्त कराए गये बाल एवं बंधुआ मज़दूरों की हालात की जानकारी ली

उत्तर प्रदेश के बांदा और चित्रकूट में विगत् कई वर्षों से मज़दूरों का पलायन लगातार जारी है, जिससे वहां के लोग दूसरे जगहों पर बंधुआ मज़दूरी करने को विवश है। बंधुआ मुक्ति मोर्चा ने अभी तक केवल बांदा और चित्रकूट से सैकड़ों बाल एवं बंधुआ मज़दूरों को मुक्त करा चुका है।

मुक्त कराए गये सभी मज़दूरों का हालात जानने के लिए बंधुआ मुक्ति मोर्चा, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष, दलसिंगार जी ने दिनांक 12-13 जुलाई, 2019 को बांदा और चित्रकूट पहुंचकर सभी मज़दूरों से मुलाकात की और इनके पुनर्वास के संदर्भ में स्थानीय जिलाधिकारी एवं उपश्रमायुक्त से विवरण मांगा। अधिकारियों को मोर्चा के अध्यक्ष ने यह भी अवगत कराया कि पुनर्वास करना बधुंआ मजदूरी प्रथा (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के तहत उनकी जिम्मेवारी और जवाबहदेही है। पुनर्वास करने में विलम्ब, उनको पुनः बंधुआ बनने की सम्भावनाओं को बढ़ावा देता है। मुक्ति प्रमाण पत्र दिये जाने के बाद में अधिकारियों के सम्मुख अब ऐसी कोई अड़चन नहीं है कि पुनर्वास करने के लिये विलम्ब करें। उन्होंने उनसे मांग की कि मुक्त हुए बंधुआ मज़दूरों को तुरन्त पुनर्वासित कर उसका विवरण दें।

उन्होंने यह भी कहा कि बांदा एवं चित्रकूट में बंधुआ मज़दूरों के सर्वे के लिए केन्द्रीय क्षेत्र स्कीम, 2016 के तहत बंधुआ मुक्ति मोर्चा की ओर से प्रोजेक्ट प्रपोजल जमा कराया गया है। अतः उक्त संदर्भ में जिलाधिकारी एवं उपश्रमायुक्त ने कहा कि बधुंआ मजदूरी प्रथा (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के तहत मज़दूरों के हक में जो भी यथासम्भव सहयोग होगा करने के लिए वे प्रतिबद्ध है। इसके अलावा उन्होंने पूर्व में मुक्त कराए सभी मज़दूरों का ब्यौरा भी हमसे लिया। उक्त संदर्भ में अभी तक मुक्त कराए गये **६४ बंधुआ मज़दूरों को २०-२० हजार तात्कालिक सहायता राशि (१२,८०००/- बारह लाख अस्सी हजार रूपया)** मिली है और अन्य योजनाओं के तहत उनको पुनर्वासित करने के लिए प्रयत्न भी जा रहा है।

इसके अलावा मज़दूरों के हक और अधिकार के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से स्थानीय बंधुआ मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से क्रेशर नगरी, भरतकूप में

हमने खनन कार्य करने वाले स्थानीय मज़दूरों के साथ बैठक की। जिसमें मज़दूरों ने अपनी समस्याओं के बारे में विवरण दिया तथा अध्यक्ष जी को यह भी अवगत कराया कि रोजगार के अभाव में हमें कम मज़दूरी पर काम करना पड़ रहा है, पर हमारे हालात् के बारे में स्थानीय प्रतिनिधि या सरकारी अधिकारी कोशिश भी नहीं करते है।

१. रामआसरे आदिवासी ने बताया कि खदानों में १२ घंटे काम करने की मज़दूरी मात्र २०० रुपये दिया जाता है। इसके अलावा ४ महीने काम करने पर भी उनकी मज़दूरी पूरी नहीं दी जाती है। इसी कारण लगभग १०० परिवार दूसरे राज्यों में पलायन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि पत्थर ख़दानों में हमारे लोगों के साथ कई घटनाएँ हो चुकी है, इसके एवज में परिवारवालों को कोई मुआवजा नहीं मिला। उनकी मांग है कि हमारे कोल आदिवासी भाईयों के नाम पर पत्थर ख़दानों की लीज़ दी जानी चाहिए जिससे स्वयं आत्मनिर्भर होकर कार्य कर सकें।

२. श्यामाबाई आदिवासी का कहना है कि हमारे कई पीढ़ी क्रेशर व पहाड़ों में काम करते हुये टी.बी. व क्षय रोगों से पीड़ित हो गये हैं। पत्थर खदानों एवं क्रेशर धूल के कारण मज़दूरों के बच्चों से लेकर आम मज़दूरों को किसी न किसी बिमारी के शिकार हो गये हैं। जिनकी दवाईयों की भी कोई व्यवस्था नहीं है और न ही कोई सुनने वाला है।

३. अरुण कुमार पत्र ग्राम पधान अकबरपुर ने कहा कि मैं बंधुआ मुक्ति मोर्चा संगठन के साथ जुड़कर आस–पास के सभी आदिवासी बस्तियों में जाकर सभी मज़दूरों को समझाते हुए अपने एवं अपने बच्चों के स्वास्थ्य, साफ–सफाई के बारे जानकारी देते हुए हर बच्चों नजदीक के विद्यालयों में शिक्षा के ग्रहण के लिये प्रेरित किया।

४. भारती देवी का कहना है कि ग्राम अकबरपुर के मजरा खजांती कोल बस्ती में ८० परिवार हैं लगभग ७० वर्षों से रहते है, जिनकी आबादी लगभग ५०० है, लेकिन इस गांव के आस–पास में दबंगों के क्रेशर मशीनें है, जहाँ पर जबरन मज़दूरी कराई जाती है, मना करने पर बस्ती से निकालने की धमकियाँ दी जाती है। उन्होंने बताया कि हाल ही में शिवमंगल सिंह के क्रेशर में असुरक्षित ब्लास्टिंग से एक मज़दूर की मौत हो गई थी, जिसमें कानूनी मदद के लिए बंधुआ मुक्ति मोर्चा ने पूरा सहयोग किया था।

इन सभी कार्यों में मीडिया और स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताआ का पुरज़ोर समर्थन मिला जिसकी प्रति संलग्न :–

आज

13/07/2019

## विशाल मजदूर सभा आज

चित्रकूट, 12 जुलाई। असंगठित मजदूरों के अधिकार के लिये बन्धुआ मुक्ति मोर्चा की पहल पर आज 13 जुलाई शनिवार को 11 बजे से नई दुनिया टिटिहरा तिराहा रोड़ भरतकूप में विशाल मजदूर सभा का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में दल सिंगार प्रदेश अध्यक्ष बन्धुआ मुक्ति मोर्चा उ0प्र0, विशिष्ट अतिथि रामकरण आदर्शी प्रभारी अध्यक्ष बुन्देलखण्ड, अशोक गुप्ता भरतकूप रहेगें। कार्यक्रम में गरीबों की आवाज उठाने वाले अन्य कई संगठनों के भी दिग्गज शामिल होंगे। जिसमें महाशक्ति पार्टी की प्रदेश प्रभारी श्रीमती रेखा निषाद, नारी इन्साफ सेना की राष्ट्रीय कमाण्डर वर्षा भारतीय, संयोजक जय प्रकाश शिवहरे, बुन्देलखण्ड आजाद सेना के केन्द्रीय अध्यक्ष एवं बन्धुओं मुक्ति मोर्चा के मण्डल प्रमोद आजाद भी सभा को सम्बोधित करेंगे।

Saswat Times 13/07/2019

## आज होगी मजदूरों की सभा

**चित्रकूट,ब्यूरो।** बंधुवा मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में आज शनिवार को भरतकूप स्थित टिटिहरा तिराहे पर मजदूरों के साथ सभा का आयोजन होगा। जिसका मुख्य उद्देश्य बुन्देलखण्ड के मजदूरों की दिशा व दशा तय करना है। इस दौरान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दलसिंगार सोनू, नारी इंसाफसेना की कमाण्डर वर्षा भारत, संयोजक जयप्रकाश शिवहरे, बुन्देलखण्ड आजाद सेना अध्यक्ष प्रमोद आजाद सहित दर्जनों लोग शिरकत करेंगें। यह जानकारी कमाण्डर वर्षा भारती ने दी है।

अमर उजाला बांदा amarujala.com कानपुर | रविवार, 14 जुलाई 2019



## बंधुआ मजदूरों को पुनर्वास सुविधा उपलब्ध कराएं

**बांदा।** बंधुवा मुक्ति मोर्चा ने डीएम को ज्ञापन देकर पिछले तीन सालों में श्रम विभाग द्वारा मुक्त कराए बाल एवं बंधुआ मजदूरों को पुनर्वास सुविधा उपलब्ध कराए जाने की मांग की। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दिलसिगार ने बताया कि अप्रैल 2016 से प्रशासन व श्रम विभाग द्वारा प्रदेश के चित्रकूट, बांदा, एमपी के सता न रीवा जिले के 600 बाल व बंधुआ मजदूर मुक्त कराए गए हैं। इसमें ज्यादातर बाल व बंधुआ मजदूर चित्रकूटधाम मंडल के बांदा व चित्रकूट के रहने वाले है। बंधुआ मजदूरी प्रथा उन्मूलन अधिनियम 1976 के तहत मुक्त कराए गए बाल एवं बंधुआ मजदूरों को छह माह के अंदर पुनर्वास सुविधा उपलब्ध करा दी जाना चाहिए, लेकिन ऐसे बंधुआ मजदूरों को पुनर्वासित नहीं किया गया है। ज्ञापन देने वालों में इंसाफ सेना कमांडर वर्षा भारतीय, बुंदेलखंड आजाद सेना अध्यक्ष प्रमोद आजाद, रामसरन, भैरव वर्मा आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

# बंधुवा मुक्ति मोर्चा ने उठाई मांग

**बांदा।** बंधुवा मुक्ति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने बंधुवा श्रमिकों के पुनर्वास के लिए सर्वे कराने की मांग की है। जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कहा है कि मुक्त कराए गए पांच सौ बंधुवा मजदूरों को तीन साल बाद भी पुनर्वास की सुविधा नहीं मिल पाई है। 93 फीसद आबादी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से असंगठित क्षेत्र से प्राप्त आय पर निर्भर है। सामाजिक कार्यकर्ताओं, मीडियाकर्मियों व सरकारी पदाधिकारियों को मजदूर, किसानों के लिए चल रही सरकारी स्कीमों की जानकारी है। इसलिए बंधुवा श्रमिकों के पुनर्वास के लिए केंद्रीय क्षेत्र स्कीम 2016 के तहत बंधुवा श्रमिकों का सर्वे कराया जाए। कहा कि उप्र के बांदा, चित्रकूट व मप्र के रीवा और सतना जिले से तीन साल पहले करीब पांच सौ बंधुवा मजदूरों को मुक्त कराया गया था। किंतु इनके पुनर्वास की व्यवस्था आज तक नहीं की गई है।

Saswat Times 15/07/2019

# बंधुवा मुक्ति मोर्चा दिलायेगा मजदूरों का हक : दलसिंगार

**चित्रकूट,ब्यूरो।** राष्ट्रीय बंधुवा मुक्ति मोर्चा के तत्वावधान में भरतकूप स्थित नई दुनिया टिटिहरा रोड पर मजदूरों की जनसभा हुई। जिसमें मजदूरों ने समस्याओं को प्रमुखता से रखा। जनसभा में बतौर मुख्य अतिथि मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दलसिंगार ने कहा कि मजदूरों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहा कि हाडतोड मेहनत करने वाले को पूरा हक मोर्चा दिलायेगा। बताया कि मजदूरी और रोजगार प्राप्त हो इसके लिए वह भरसक प्रयास करेंगे।

विस्फोट से पत्थरों के तुड़ान व क्रेशर की उडती डस्ट से मजदूर तबका बीमार हो रहा है। यहां तक कि जान भी चली जाती है। ऐसे मामलों को सरकार तक उठाया जाएगा। उन्होंने मजदूरों से कहा कि नशा का सेवन न कर बच्चों की पढाई करायें। जिससे जीवन उज्जवल हो सके। बंधुवा मजदूरी पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए मजदूरों के अधिकारों की लडाई की बात कही। नारी इंसाफ सेना की राष्ट्रीय कमाण्डर वर्षा भारती ने किसान, मजदूर हितों को लेकर संघर्ष पर जोर दिया। कहा कि मजदूरों का शोषण हुआ तो शांत नहीं बैठेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्याम आदिवासी ने की। इस मौके पर भाकियू जिलाध्यक्ष राम सिंह पटेल, बुन्देलखण्ड आजाद सेना के अध्यक्ष प्रमोद आजाद, नारी इंसाफ सेना के संयोजक जयप्रकाश शिवहरे, राजाराम यादव, रामलखन, रामशरण सहित भरतकूप क्षेत्र के गरीब, मजदूर, कोल आदिवासी मौजूद रहे।

आज

15/07/2019

# मशीनों के प्रयोग में रोक से बढ़ेगी मजदूरों की मजदूरी दर: दल सिंगार

## क्रेशर नगरी में लगी विशाल मजदूर सभा, उमड़ी भीड

भरतकूप (चित्रकूट), 14 जुलाई। राष्ट्रीय बन्धुआ मुक्ति मोर्चा के तत्वावधान में नई दुनियां टिटिहरा तिराहा भरतकूप में आदिवासी महिला की अध्यक्षता में विशाल मजदूर सभा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व मजदूर हितों के लिये चल रहे संघर्ष की अगुवाई कर रहे दल सिंगार मौजूद। बुन्देलखण्ड आजाद सेना के अध्यक्ष प्रमोद आजाद नारी इन्साफ सेना की कमाण्डर वर्षा भारती, किसान यूनिय न के जिलाध्यक्ष रामसिंह पटेल, नारी इन्साफ सेना संयोजक जयप्रकाश शिवहरे, प्रभात समिति के प्रबुद्ध सचिव राजाराम यादव, उत्तर प्रदेश ग्रामीण एवं खेतिहर मजदूर यूनियन के प्रदेश प्रभारी व कार्यक्रम संयोजक रामआसरे, नत्थू भाई, रामलखन, रामशरण प्रधान, रामकरण आदर्शी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता सभा में उपस्थित रहे। इस विशाल सभा में आधे से अधिक महिला मजदूरों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। क्षेत्र में खनन के कार्य में लगी बडी-बडी भारी मशीनों के प्रयोग पर रोक लगाने से गरीब मजदूरों को रोजगार और मजदूरी मिल सकती है। मशीनों द्वारा तथा विस्फोट से पहाड़ उड़ाने में तथा केशर मशीनों से उड़ती धूल से निरंतर लोगों में स्वांस, टीवी, सिलोकोसिस, खांसी, दमा, अस्थमा आदि जानलेवा बीमारियों के द्वारा मजूदर काल कवलित हो रहें हैं। क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों की मजदूरी की दर बहुत कम है। क्योंकि मशीनों के प्रयोग से मजदूरों को अधिक काम नहीं मिल पाता है। शराबखोरी, नशाखोरी में मजदूर वर्ग लिप्त होकर दिनों-दिन अपना जीवन समाप्त कर रहा है। इन्हें जागरूक करने की जरूरत है। मजदूरों को प्रेरित किया जाये कि वे अपने बच्चों को पढ़ायें। जिन मजदूरों की मौत हुई है उन्हें मुआवजा दिलाया जाये। नारी इन्साफ सेना की राष्ट्रीय कमाण्डर वर्षा भारतीय ने कहा कि गरीब के लहू से बेइमानों ने अपनी ईमारतें खड़ी की हैं और अकूत सम्पत्ति एकत्र कर ली है, अब एकजुट होकर मजदूर वर्ग इनके षडयन्त्र धोकाधडी और शोषण से बचने के लिये आवाज बुलन्द करें। मालिकों की तरह अब मजदूर भी अपनी अलग दुनियां बनायें। कार्यक्रम का संचालन रामकरण आदर्शी द्वारा किया गया।

मजदूर सभा में मंचासीन विभिन्न संगठनों के जुझारू पदाधिकारी।

बांदा एवं चित्रकूट के मुक्त हुए 500 बाल एवं बंधुआ मज़दूरों के अविलम्ब पुनर्वास के लिए जिलाधिकारी बांदा एवं सीटी मजिस्ट्रेट बांदा तथा उपश्रमायुक्त बांदा से मिलते हुए बंधुआ मुक्ति मोर्चा उ0प्र0 के अध्यक्ष श्री दलसिंगार जी

मज़दूरों के हक और अधिकार के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से स्थानीय बंधुआ मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से क्रेशर नगरी, भरतकूप में खनन कार्य करने वाले स्थानीय मज़दूरों के साथ बैठक

https://www.youtube.com/watch?v=5FGetkI_Qfs&app=desktop

**(दलसिगार)**
प्रदेश अध्यक्ष
बंधुआ मुक्ति मोर्चा, उ०प्र०
मो. 09871382237